

# साहित्य अकादमी वेबलाइन साहित्य शृंखला के तहत मैथिली कहानी पाठ

- कार्यक्रम में शामिल हुए कई साहित्यकार व कहानीकार
- सुस्मिता पाठक ने अपनी दो कहानियों का किया पाठ

## प्रतिनिधि, सुपौल

साहित्य अकादमी नई दिल्ली के द्वारा सोमवार के पूर्वाह्न वेबलाइन साहित्य शृंखला के अंतर्गत मैथिली कहानी पाठ का आयोजन किया गया. जिसमें मैथिली के कहानीकार डॉ महेन्द्र नारायण राम, मनोज कुमार कर्ण सहित जिला मुख्यालय निवासी साहित्यकार सुस्मिता पाठक ने अपनी-अपनी कहानियों का पाठ किया. इस कार्यक्रम का संचालन साहित्य अकादमी के उप सचिव (प्रकाशन) डॉ एन सुरेश बाबू ने किया. मालूम हो कि विश्वव्यापी कोरोना महामारी के कारण इन दिनों साहित्य अकादमी



कार्यक्रम में शामिल कहानीकार .

द्वारा वेबलाइन साहित्य शृंखला के अंतर्गत ही अपने कार्यक्रमों का संपादन किया जा रहा है. कार्यक्रम के दौरान सुस्मिता पाठक ने अपनी दो कहानियां 'जादू' एवं 'मोल-भाव' का पाठ किया. जिले के कई लेखक व साहित्यकारों ने

इसकी सराहना की है. जिनमें डॉ सुभाष चंद्र यादव, केदार कानन, सतीष वर्मा, आशीष चमन आदि शामिल हैं. इन लोगों ने यह भी आशा व्यक्त की है कि अकादमी द्वारा आगे भी ऐसे आयोजन निरंतर किया जाना चाहिये.



-संक्षिप्त खबरें -

# साहित्य अकादमी के वेबलाइन कार्यक्रम में कथाकारों ने किया मैथिली कथा का वाचन

सोनभद्र संवाददाता  
,खुटौना ।

साहित्य अकादमी नई दिल्ली द्वारा आयोजित वेबलाइन साहित्य श्रृंखला के अंतर्गत मैथिली कथा पाठ प्रस्तुत किया गया । कार्यक्रम में खुटौना के साहित्यकार डॉ महेन्द्र नारायण राम, सुपौल के सुस्मिता पाठक एवं मनोज कुमार कर्ण शामिल

थे । डॉ महेन्द्र नारायण ने मनतोड़िया एवं रंग शीर्षक से कथा पाठ किया । वहीं श्रीमती पाठक ने जादू एवं मोन भाव कथा का पाठ किया । वहीं मनोज कुमार कर्ण ने दो बीहनि कथा वेलेंटाइन एवं पटकनियाँ तथा मीलक पाथर कथा का वेबलाइन पाठ किया । साहित्य अकादमी के अधिकारी सुरेश कुमार चौधरी के कुशल संचालन में कार्यक्रम संपादित हुआ ।

